लेकर के प्यार अर्श का आए पिया यहाँ
बेहद का प्यार हद में कैसे निभे यहाँ

1- आंखों में अश्क जख्मी दिल
सजदे में लाए हैं
कर लो कबूल अब यहीं सिनगार है मेरा

2- दिल से तो दिल की बातें
होतीं रहीं मगर
जो सुख है रूबरू असल वो सुख नहीं यहाँ

3- बिरहा की आग में पिया
जलते हैँ रात दिन
चरणों में आपके आकर मिलता सुकूँ यहाँ

Nijanand App